B.A.II (with Credits)-Regular-Semester 2012 Sem IV

BA24B-3 - Hindi Literature हिन्दी साहित्य

P. Pages : 3 **GUG/W/16/5032**

Time : Three Hours * 0 1 3 7 * Max. Marks : 80

सूचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किसी भी एक** ही प्रश्न का उत्तर लिखिए । **10**

1) राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज एक महान व स्वयंसिध्द संत थे । स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

2) राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज के साहित्यिक योगदान द्वारा सिध्द किजिए कि वे एक समाज सुधारक भी थे ।

2. निम्नलिखित में से **किसी एक** ही समूह के सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए । **20**

समूह ''अ''

1) सबके धरम भी धर्म है, गट कर्म सच्चे हो गये ।
किसके धरम में शक्ति नहीं, जब शर्म जैसे कर गये ।।
अरे ! धर्म तो कर्तव्य है, सब विश्व को धारण करे ।
जिसकी कुवत जैसी रही, वह कर दिखावे हर तन्हे ।।

2) अपनी ही तारिफ तू करेगा, तब समझना मौत है ।
जब नम्रता की बात हो, सामर्थ्य तब अद्‌भूत है ।।
सच्चे करम की राह में, अपनी लगन हरदम रहे ।
सत्ता मिले या ना मिले, भगवान का ही दम रहे ।।

3) ना हो समय अनुकूल तब तक, शत्रु सिर पर लीजिए ।
जब बल हो अपने पास तब तो पैरसिर पर दीजिए ।
यही नीति होती राज की, उसके बिन चारा नहीं ।
नहीं तो गुलामी आऐगी, आजादी को भारा नहीं ।।

4) सेवक को सुख मिलता नहीं, कभु ना भिखारी मान ले ।
व्यसनी न हो धनवान, व्याभिचारी को सुभगति ना मिले ।।
लोभी को यश मिलता नहीं, अज्ञानी को कीर्ती कहाँ ?
नही आततायी बच सके, भोगी को सुखशांती कहाँ ।।

अथवा

समूह ''ब''

1) इन्सान ही है देवता, जो सत्य-पथ पर चला गया ।
इन्सान ही साधू बने, जब संयमी मनको किया ।।
इन्सान ही वह वीर है, जो ना करे अन्याय को ।
इन्सान वह इन्सान है, जो खोजता सदुपाय को ।।

mynotes.in

2) नेकी बदी यही है धरम और पाप समझो भाइयो ।
मंदीर है इसकी पाठशाला, सबको यह समझायें ।।
जब नेक नहीं है आदमी, और धर्म पर जीता रहे ।
वह धर्म को बदनाम कर, खुद भी पतन पाता रहे ।।

3) ''गंगा'' ही मुख से बोलता,पर स्नान तो करता नहीं ।
व्याख्यान देता ''सत्य'' का, पर कुछ भी आचरता नहीं ।।
कहने से ''लड्डू'' क्या बनेगा ? मुख में जब गिरता नहीं ।
लढ़ता नहीं जो शत्रु से, वह ''वीर'' क्यों बोले कोई ?

4) ख्रिश्चन ये गिरजाघर बढ़े, इन्सान मस्जिद में पढ़े ।
''गच्छामि शरणं'' बुध्द सब, त्रैवार जय करके खड़े ।।
ऐ हिंदु ! तुने क्यों गमायी, मंदिरों की प्रार्थना? ।।
क्यों भ्रष्ट ऐसा हो गया, सब भूलकर आराधना? ।।

3. निम्नलिखित में से **किसी भी एक** ही समूह के सभी प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए । **20**

समूह ''क''

1) सूफी काव्य किसे कहते है ?

2) सिक्ख संप्रदाय के प्रवर्तक गुरुनानक देव की साम्य-भावना और विचार-प्रसूत करुणा-मूलक थी । समझाइए ।

3) संत काव्य की विशेषताएँ बतलाइए ।

4) खड़ी बोली के आदि कवि अमीर खुसरो की कविताओं में खड़ी बोली की प्राथमिक स्वरुप की झलक मिलती है । संक्षेप में समझाइए ।

अथवा

समूह ''ख''

1) मलिक मुहम्मद जायसी का परिचय संक्षेप में दीजिए ।

2) भक्तिकाल की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

3) निर्गुण तथा सगुण में अंतर स्पष्ट कीजिए ।

4) विधर्मी होते हुए भी जाति-पाँति के बंधनो से बहुत ऊपर शुध्द प्रेम के सात्विक बंधन में बँधे ''रसखान'' का जीवन परिचय दीजिए ।

4. निम्नलिखित में से **किसी पाँच** प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए । **20**

1) ''क्या राज परदेश की भीख पर ही चलेगा, संत तुकडोजी महाराज ऐसा क्यों कहते हैं ?''

2) भक्ति-युग की विशेषताएँ बतलाइए, जिसे हिंदी साहित्य का स्वर्णयुग कहा जाता है ।

3) रैदास उच्च कोटी के साहित्यकार है, स्पष्ट कीजिए ।

munotes.in

4) लौकिक प्रेम और अलौकिक प्रेम में क्या अंतर है ?

5) राष्ट्र संत तुकडोजी महाराज सन्तसंग और शान्तिमार्ग के माध्यम से लोगों को क्या संदेश देना चाहते है ।

6) कृष्ण भक्ति शाखा से आप क्या समझते है ?

7) सगुण काव्य की प्रवृत्तियाँ लिखिए ।

8) भक्तिकाल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर लिखिए । **10**

1) भारत देश-उन्नति कब कर सकता है ।

2) तुकडोजी के अनुसार संसार में सुख का मूलमंत्र क्या है ।

3) भक्ति काल के प्रमुख कवियों के नाम लिखिए ।

4) रामकाव्य की विशेषताएँ लिखिए ।

5) अमीर खुसरों का साहित्यिक परिचय दीजिए ।

****

munotes.in

munotes.in